



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 280]
No. 280]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 1, 1988/ज्यैष्ठ 11, 1910
NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 1, 1988/JYAISTHA 11, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(कंपनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 1 जून, 1988

का. प्रा. 536(अ).—कंपनी विधि बोर्ड का यह सपाधान हो गया है कि पंजाब राज्य में स्थित इलेक्ट्रॉनिक उपस्कर, संवटक और सामग्री के निर्माण में लगे पंजाब राज्य के एककों के वक्ष और आर्थिक विस्तार और कार्यकरण के प्रयोजन के लिए और उपस्कर, कामिक और सामग्री के अपर्याप्त साधन प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए और एककों में नीति के संबंध में बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए लोकहित में यह आवश्यक है कि इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स पंजाब लि. जो कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) के अधीन नियमित कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय सी-28, फेज-7, औद्योगिक क्षेत्र "ए", एम.ए.ए. नगर में है और पंजाब इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन लि. का, जो कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) के अधीन नियमित कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ए-28, फेज-7, औद्योगिक संरदा, एम.ए.ए. नगर में है, जो दोनों ही पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम लि. के, जो पंजाब राज्य सरकार के संपूर्ण स्वामित्व वाला उपक्रम है, संपूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां हैं एक कंपनी के रूप में समन्वित करवाया जाए।

और प्रस्तावित आदेश के प्राज्ञा के एक प्रती उद्देश्य कंपनी को
पर्याप्त इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स पंजाब लि. और पंजाब इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन

लि. दोनों कोही समाचार पत्र में प्रकाशन के लिए भेजी गई थी। सममिलन की इस स्कीम के बारे में किसी भी व्यक्ति से कोई आक्षेप/मुद्दाव प्राप्त नहीं हुआ है।

यतः, कंपनी विधि बोर्ड, भारत सरकार के कंपनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 443(प्र), तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दोनों कंपनियों के सममिलन का उपबंध करने के लिए निम्न-लिखित आदेश करना है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम : इस आदेश का संक्षिप्त नाम पंजाब इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन लि. और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स पंजाब लि. (सममिलन) आदेश, 1988 है।

2. परिभाषाएं : इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "निर्दिष्ट ति" से तात्पर्य तारीख अभिप्रेत है जिसको यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाए;

(ख) "विपक्षित कंपनी" से पंजाब इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन लि. अभिप्रेत है;

(ग) "परिणामी कंपनी" से इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स पंजाब लि. अभिप्रेत है।

3. (क) 30 जून, 1986 को शेयर धारण का पैटर्न इस प्रकार है :—

(1) पंजाब इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स लि. :—

शेयर धारकों का नाम	शेयर संख्या	रकम (र.)
पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम लि., नियंत्रित कंपनी और उसके नाम निर्देशित	10 र. प्रति शेयर वाले 8,78,600 साधारण शेयर	87,86,000

(2) इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स पंजाब लि. :—

पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम लि., नियंत्रित कंपनी और उसके नाम निर्देशित	10 र. प्रति शेयर वाले 2,01,30,000 साधारण शेयर	2,01,30,000
---	--	-------------

(ख) शेयरों के उचित मूल्य को ध्यान में रखते हुए पंजाब इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स लि. के 10 साधारण शेयरों के बदले इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स पंजाब लि. का 10 र. वाला एक साधारण शेयर प्रस्थापित किया जाएगा या शेयर धारकों के विकल्प पर पंजाब इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स लि. के शेयर धारकों को एक र. प्रति शेयर का नकद प्रतिकर संवत् किया जाएगा, जैसी भी स्थिति हो।

4. कंपनियों का सम्मेलन :—(1) नियत दिन से ही, विघटित कंपनियों का उपक्रम, उसके विलयनों, यदि कोई हों, के अधीन रहते हुए और पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम लि. को 8,78,600 र. के पूर्ण संदत्त 10 र. वाले साधारण शेयरों के प्रतिरूप स्वरूप इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स पंजाब लि. की अंतरित हो जाये और उनमें निहित हो जाये और वह कंपनी ऐसे अंतरण के तुरंत बाद सम्मेलन की परिणामी कंपनी समझी जाएगी।

(2) लेखा प्रयोजनों के लिए सम्मेलन को दोनों कंपनियों के 30 जून, 1986 के यथा विद्यमान संप्रोक्षित लेखों और तुलनपत्रों के प्रति निर्देश द्वारा प्रभावी बनाया जाएगा और उसके पश्चात् के सभी संयोजक एक सामान्य लेख में रखे जाएंगे, विघटित कंपनी से यह अपेक्षा नहीं की जाएगी कि वह किसी पश्चातवर्ती तारीख पर अंतिम लेख तैयार करे और परिणामी कंपनी 30 जून, 1986 को यथा विद्यमान तुलनपत्र के अनुसार सभी प्राप्ति और दायित्व ग्रहण करेगी और उसके पश्चात् के सभी संयोजक के लिए पूर्ण जिम्मेदारी स्वीकार करेगी।

स्पष्टीकरण :

"विघटित कंपनी के उपक्रम" के अंतर्गत नियत दिन से ठीक पूर्व विघटित कंपनी के कब्जे में या उसे प्राप्त सभी अधिकार, शक्तियाँ, प्राधिकार और विशेषाधिकार और सभी संपत्ति, जंगम या स्थावर, जिसमें रोकड़ अतिशेष, भारक्षित, राजस्व अतिशेष, निविद्यान और ऐसे सभी अन्य हित और अधिकार भी सम्मिलित हैं जो ऐसी संपत्ति में हो या उससे उद्भूत हुई हों और उससे संबंधित सभी बहियाँ, लेख और दस्तावेज भादि तथा विघटित कंपनी के सभी के दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएँ भी सम्मिलित हैं, आयेगे।

5. संपत्ति की कुछ सदों का अंतरण :

इस आदेश के प्रयोजन के लिए, विघटित कंपनी के नियत दिन को यथा विद्यमान सभी लाभ या हानियाँ या दोनों, यदि कोई हों, और विघटित

कंपनी की राजस्व भारक्षित या कमी या दोनों, यदि कोई हों, जब उन्हें परिणामी कंपनी को अंतरित कर दिया गया हो, क्रमशः परिणामी कंपनी के लाभ या हानि और राजस्व भारक्षित या कमी, जैसी भी स्थिति हो, का भाग बन जाएगी।

6. संविदा प्राप्ति की व्यावृत्ति :

इस आदेश के उपबंधों के अधीन रहते हुए, ऐसी सभी संविदाएँ, विलयन, बंधन, करार और अन्य लिखित, भले ही वे किसी भी प्रकार की हों, जिनमें विघटित कंपनी पक्षकार है और जो नियत दिन से ठीक पूर्व कालू या प्रभावी है पूर्ण रूप से परिणामी कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में, सिवाय उस सीमा तक जहाँ तक परस्पर सहमति से परिवर्तित किया गया हो, पूर्णतः प्रवृत्त और प्रभावी रहेंगी और उन्हें पूर्ण रूप से प्रभावी तौर पर ऐसे प्रवृत्त किया जाएगा माना परिणामी कंपनी विघटित कंपनी के स्थान पर उसमें पक्षकार हो।

7. विधि कार्यवाहियों की व्यावृत्ति :

यदि नियत दिन, विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध लाया गया कोई वाद, अधियोजन, की गई कोई प्रयोज या किसी भी प्रकार की कोई अन्य विधिक कार्यवाही संबन्धित हो तो न तो उसका उपशमन होगा और न ही वह समाप्त होगी और न ही विघटित "कंपनी के उपक्रम के परिणामी कंपनी को अंतरण के कारण या इस आदेश की किसी बात से उस पर किसी भी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, परंतु परिणामी कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध ऐसा वाद, अधियोजन, ऐसी प्रयोज या अन्य विधिक कार्यवाही उसी रीति में और उसी विस्तार तक जारी रखी जा सकेगी, अधियोजन किया जा सकेगा और प्रवृत्त की जा सकेगी जैसा कि वह विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जाती, अधियोजन किया जाता या उसे प्रवृत्त किया जाता यदि ऐसा आदेश पारित न किया गया होता।

8. कराधान से संबंधित उपबंध :

नियत दिन से पूर्व विघटित कंपनी द्वारा बलाये गये कारबार के सभी लाभ और अधिलाभ (जिसके अंतर्गत संबन्धित हानियाँ और अनुमेलित अध-लाभ भी हैं) के संबंध में सभी कर ऐसी रियायतों के अध्वधीन रहते हुए जो सम्मेलन के परिणामस्वरूप आध-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अनुशात की जा सकेंगी, परिणामी कंपनी द्वारा देय होंगे।

9. विघटित कंपनी के वर्तमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबित उपबंध :

विघटित कंपनी के नियत दिन से ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (जिसमें विघटित कंपनी के निदेशक सम्मिलित नहीं हैं) नियत दिन से ही परिणामी कंपनी के, यथास्थिति, अधिकारी या अन्य कर्मचारी हो जाएंगे और उसी हों। अथवा तब और उन्होंने निबंधनों और शर्तों पर और उन्होंने अधिकारों और विशेषाधिकार सहित पद धारण करते रहेंगे या सेवा में बने रहेंगे जो वे विघटित कंपनी के अधीन धारित करते, यदि वह आदेश न किया गया होता, और वे तब तक बने रहेंगे जब तक कि परिणामी कंपनी द्वारा उनका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या तब तक जब तक उनके पारिभ्रमिक और नियोजन की शर्तों परस्पर सम्मति से सम्यक् रूप से परिवर्तित नहीं कर दी जाती।

10. निवेशकों की स्थिति :

विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन से ठीक पूर्व ऐसा पद धारण कर रहा हो, नियत दिन से विघटित कंपनी का निदेशक नहीं रहेगा।

11. भविष्य निधि की शर्तें :

विघटित कंपनियों के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 की स्कीम के अधीन उस कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्य बने रहेंगे जिसके वे सदस्य हैं और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स पंजाब लि. राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन के पश्चात् नियत

बिना से ही इन अधिकारियों और कर्मचारियों के संबंध में उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में नियांजक के रूप में उन्हीं वरों पर अभिदाय करेगी और करना जारी रखेगी जो विधित कंपनी ने रखी हुई थी ।

12. पंजाब इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स लि. का विघटन :

इस आदेश के अन्य उपबंधों के अध्वधीन रहते हुए, नियत दिन से ही पंजाब इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स लि. बटिन हो जाएगी और कोई भी व्यक्ति बिधित कंपनो या उसके किसी निरेणक या अधिकारो के बिद्व उसको निदेशक या अधिकारी की ऐसी हैसियत में, न तो कोई दावा करेगा न मांग करेगा और न ही कोई कार्यवाही करेगा सिवाय उसके जो इस आदेश के उपबंधों के प्रवर्तन के लिए आवश्यक हो।

13. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण:

[illegible]

उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, पंजाब, जंडोगढ़ और हिमाचल प्रदेश, जलंधर, अंतरक कंपनी से संबंधित उसके पास रजिस्ट्रोक्त, अभिलिखित या फाइल की गई सभी दस्तावेजों को 'इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स पंजाब लि.', जिसके साथ अंतरक कंपनी का सम्मेलन हुआ है, की फाइल पर लाएगा और उनका समेकन करके समेकित ढंग में फाइल पर रखेगा।

14. परिणामी कंपनी का संगम शापन और संगम अनुच्छेद:

इलैक्ट्रॉनिक सिस्टम्स पंजाब लि. के नियत तारीख से ठीक पूर्व यथा-
विद्यमान संगम ज्ञापन और संगम प्रतुच्छेद नियत दिन से ही परिणामी
कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम प्रतुच्छेद हो जायेंगे।

[24/4/87-सी एल III]

आर, एन, बंसल, सदस्य, कंपनी विधि बोर्ड

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

ORDER

New Delhi, the 1st June, 1988

S.O. 536(E).—Whereas, the Company Law Board is satisfied that for the purpose of efficient and economical expansion and working of units of the Punjab State Government engaged in the manufacture of electronic instruments, components and materials and situated in the State of Punjab and for the purpose of securing the scarce resources of equipment, personnel and material and ensuring better coordination in policy in the units, it is essential in the public interest that Electronic Systems Punjab Limited, incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at B-81, Phase VII, Industrial Area 'A', SAS Nagar and Punjab Electronic Components Limited, having its registered office at A-28, Phase VII, Industrial Estate, SAS Nagar, incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), both wholly owned subsidiaries of Punjab State Industrial Development Corporation Limited, a wholly owned undertaking of the Punjab State Government should be amalgamated into a single company.

And, whereas, a copy of the proposed order was sent in draft to the companies aforesaid namely, the Electronic Systems Punjab Limited and the Punjab Electronic Components Limited for its publication in the newspapers and that no objections/suggestions have been received by the Company Law Board in regard to the Scheme of Amalgamation from any person.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with the Notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. G.S.R. 443(E), dated 18th October, 1972 the Company Law Board hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of the said two companies, namely :—

1. Short title.—This Order may be called the Punjab Electronic Components Limited and the Electronic Systems Punjab Limited (Amalgamation) Order, 1988.

2. Definitions.—In this Order unless the context otherwise requires,—

(a) "appointed day" means the date on which this Order is notified in the Official Gazette :

(b) "dissolved Company" means the Punjab Electronic Components Limited ;

(c) "resulting Company" means the Electronic Systems Punjab Limited.

3. (a) The shareholding pattern as on 30th June, 1986 is as under :

(i) Punjab Electronic Components Limited :—

Name of the shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
Punjab State Industrial Development Corporation Limited, the holding Company and its nominees	8,78,600 Equity shares of Rs. 10/- each.	87,86,000

(ii) Electronics Systems Punjab Limited :—

Name of the shareholders	Number of shares	Amount (Rs.)
Punjab State Industrial Development Corporation Limited the holding Company and its nominees	20,38,000 Equity shares of Rs. 10/each	2,03,80,000

(b) Keeping in view the fair value of shares, one equity share of Rs. 10/- each in Electronic Systems Punjab Limited would be offered in exchange of 10 equity shares of Punjab Electronic Components Limited or a cash compensation of Re. 1/- per share be paid to the shareholders of Punjab Electric Components Limited as the case may be at the option of the shareholders.

4. Amalgamation of the Companies.—(1) On and from the appointed day, the undertaking of the dissolved company, subject to the encumbrances thereof, if any, and in consideration of allotment of 8,78,600 fully paid equity shares of Rs. 10/- each of Punjab State Industrial Development Corporation Limited shall stand transferred to and vest in the Electronic Systems Punjab Limited, which company shall, immediately on such transfer, be deemed to be the company resulting from the amalgamation.

(2) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 30th June, 1986 of the two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account. The dissolved company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet as on the 30th June, 1986 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation.—The “undertaking of the dissolved company” shall include all rights, powers, authorities and privileges and all property movable or immovable, including cash balances, reserves, revenue balances, investments and all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of the dissolved company immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

5. **Transfer of certain items of property.**—For the purposes of this Order, all the profits or losses, or both, if any of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

6. **Saving of Contracts etc.**—Subject to the other provisions contained in this Order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day shall have full force and effect against or in favour of the resulting company except to the extent altered by mutual consent and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company had been a party thereto.

7. **Saving of Legal Proceedings.**—If, on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved company is pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of the dissolved company or of anything contained in this Order; but the suit, prosecution, appeal or other legal proceedings may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company, if this Order had not been made.

8. **Provision with respect to taxation.**—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to such concessions and reliefs as may be allowed under the Income-tax Act, 1961 as a result of this amalgamation.

9. **Provisions respecting existing Officers and other employees of the dissolved company.**—Every whole time officer or other employee (excluding the directors of the dissolved company) employed immediately before the appointed day in the dissolved Company shall, as from the appointed day, become an officer or other employee as the case may be, of the resulting Company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have held the same under the dissolved Company, if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting Company, is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. **Position of Directors.**—Every director of the dissolved Company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a director of the dissolved Company on the appointed day.

11. **Membership of Provident Fund.**—All officers and employees of the dissolved company shall continue to be members of Employees Provident Fund under the scheme of Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 of which they are members and the Electronic Systems Punjab Limited shall with effect from the appointed day make and continue to make the employees contributions to the said Employees Provident Fund in respect of these officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved Company.

12. **Dissolution of Punjab Electronic Components Limited.**—Subject to the other provisions of this Order, as from the appointed day, the Punjab Electronic Components Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved Company or against a director or an officer thereof in his capacity as such director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order.

13. **Registration of the Order by the Registrar of Companies.**—The Company Law Board shall as soon as may be, after this Order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Punjab, Chandigarh and Himachal Pradesh at Jalandhar, a copy of this order on receipt of which the Registrar of Companies, Punjab, Chandigarh and Himachal Pradesh at Jalandhar, shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting Company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order.

Thereafter the Registrar of Companies, Punjab, Chandigarh and Himachal Pradesh, shall forthwith include all documents registered, recorded or filed with him relating to the transferor company on the file of the Electronic Systems Punjab Limited and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

14. Memorandum and Articles of Association of the Resulting Company.—The Memorandum and

Articles of Associations of Electronic Systems Punjab Limited as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting Company.

[24/4/87-CL. III]

R. N. GANSAL, Member,
Company Law Board

